जिला अल्मोड़ा में आपदा प्रभावित लोग 2013

गॉव का नाम	आपदा प्रभावित लोगो के नाम	आपदा
काण्ड़े–2	उमा देवी	
काण्डे	केसरी देवी	मकान क्षतिग्रस्त ऑशिक रुप से।
देवड़ा	पार्वती देवी	ऑशिक क्षतिग्रस्त
जोलासिंलिंग	कमला देवी	मकान टूट गया है । पूर्ण क्षतिग्रस्त है
बमन गॉव	रतन राम	मकान टूट गया है । पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त है
बजेल	बच्ची राम	मकान टूट गया है । पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त हैं ।
पेटशाल	हेमा देवी	ऑशिक क्षतिग्रस्त।
चितई	किशन राम	घर क्षतिग्रस्त हो गया भाई के घर में रह रहा है।
नैणी	किशन राम	पूर्ण रुप से क्षतिग्रस्त हैं ।

गॉव वालों का पुनर्वास

पिछले चार वर्षो से लगातार उत्तराण्ड में प्राकृतिक आपदा से लोग बुरी तरह प्रभावित हुये है। जब भी इस तरह की आपदा आती है तो प्रारम्भिक स्तर पर बचाव कार्य किया जाता है जो कि अति आवश्यक है परन्तु धीरे – धीरे सहयोग कम होता जाता है। और आपदा पीड़ित की प्राथमिक आवश्यकतायें पूरी नही हो पाती 2010 में जो उत्तराखण्ड में कोसी नही ने प्रलय ढ़ा दिया था उस समय अल्मोड़ा जिले के गॉवो में ग्रामीण जन बहुत बुरी तरह प्रभावित हुये थे कईयों के घर भूस्खलन के साथ समाप्त हो गये थे अनेक ग्राम वासियों के पुरखों से बनाये खेत पूरी तरह तबाह हो गये थे इन खेतों के बल पर जो थोडी बहुत खाध सुरक्षा उनके पास थी वह भी समाप्त हो गयी थी । उस समय की तबाही के निशान अभी तक नही मिटे है। उस समय काम चलाऊ आवास के रुप में कुद परिवारों को टीनसेड दिये गये थे उनमें से कुछ परिवार आज भी उन्ही टीन सेड में रहते दिखाई दे रहे है। तब जो मलवा आकर फसल से भरे खेतो में छा गया था आज भी उनमें कई खेत वैसे ही बंजर पड़े है। नदी के किनारे कई खेतो को बहा ले गया था वहॉ आज भी दीवार नही बनी है इसके बाद प्रति वर्ष आपदा आती रही इस वर्ष वर्षात के प्रारम्भ में ही गॉव वासियो की कई तरह क्षति हुई है। इन सब हालातों को देखते हुये तात्कालीन योजनाओं के साथ – साथ दीर्घ कालीन योजनाओ की जरुरत होती है। क्योकि धीरे– धीरे आपदा पीडितों को भुला दिया जाता है जबकि उनकी आवश्यकतायें दीर्घ कालीन होती है।

उत्तराखण्ड के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निमाण का कार्य बड़े पैमाने पर करने की जरुरत है। लोगों को आवास की व्यवस्था खेतों की मरम्मत व मलवा हटाना, आजीविका के ऐसे साधनों को दिलवाना जिससे पर्यावरण को क्षति न पहुॅचे तथा पर्यावरण को बचाने व विकसित करने की योजनाये शामिल हों क्यो कि हिमालय क्षेत्र हमारे पूरे देश के पर्यावरण के लिए महत्व रखता है।

कृष्णा

महिला हाट